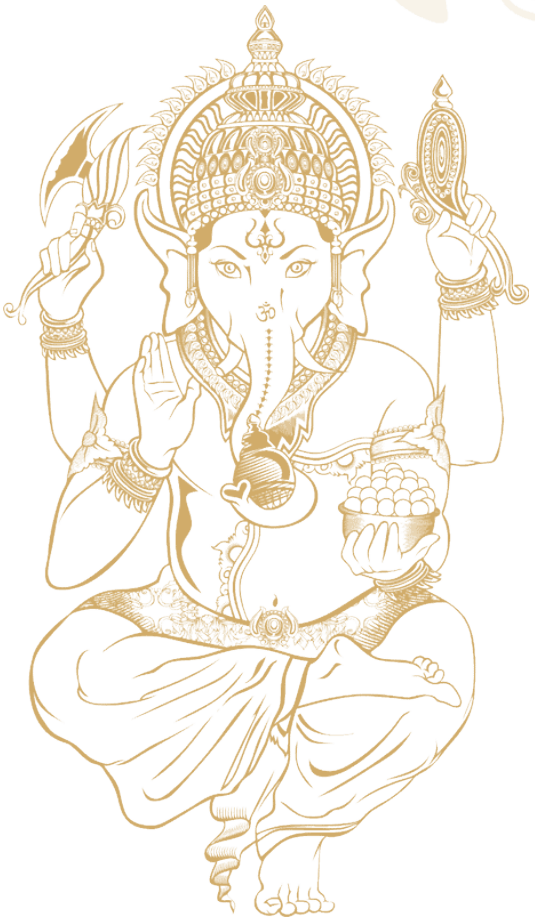

Naveen

Akansha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121765704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/08/1995	जन्म तिथि	21/06/2000
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:33:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 14:23:06	जन्म समय(घटी)	30:27:33 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:45	सूर्योदय	05:23:58
19:04:32	सूर्यास्त	19:21:52
23:47:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 11मा 24दि	08:43:57	तुला	लग्न	वृश्चि	13:53:17	मंगल 5वर्ष 5मा 21दि
गुरु	24:19:26	कर्क	सूर्य	मिथु	06:32:59	गुरु
05/08/2016	00:58:51	कुंभ	चंद्र	मक	26:14:10	13/12/2023
05/08/2032	18:50:55	कन्या	मंगल	मिथु	09:28:42	13/12/2039
गुरु 23/09/2018	08:25:51	सिंह	बुध	मिथु	25:58:19	गुरु 30/01/2026
शनि 05/04/2021	11:50:39	वृश्चि	गुरु	वृष	04:15:34	शनि 12/08/2028
बुध 12/07/2023	21:38:18	कर्क	शुक्र	मिथु	09:18:22	बुध 18/11/2030
केतु 17/06/2024	29:55:30	कुंभ व	शनि	वृष	01:44:18	केतु 25/10/2031
शुक्र 16/02/2027	05:21:01	तुला व	राहु	कर्क	00:50:59	शुक्र 25/06/2034
सूर्य 05/12/2027	05:21:01	मेष व	केतु	मक	00:50:59	सूर्य 13/04/2035
चन्द्र 05/04/2029	03:53:52	मक व	हर्ष व	मक	26:40:28	चन्द्र 12/08/2036
मंगल 12/03/2030	29:42:45	धनु व	नेप व	मक	12:13:39	मंगल 19/07/2037
राहु 05/08/2032	04:01:11	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:09:33	राहु 13/12/2039

लग्न-चलित

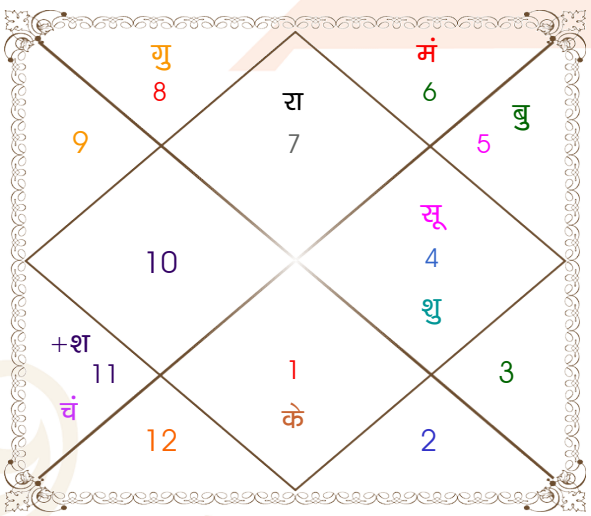

लग्न-चलित

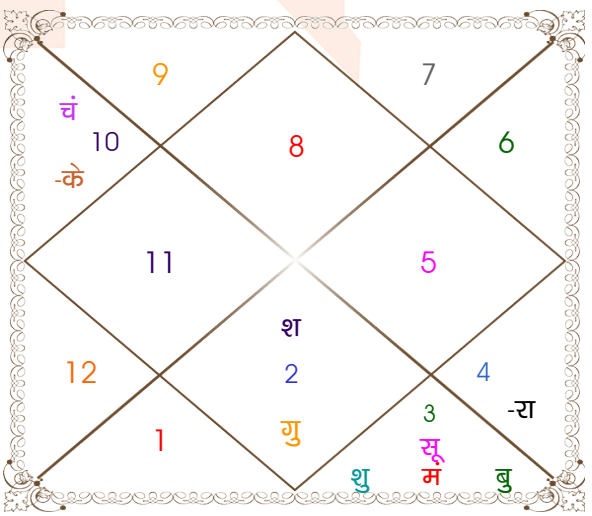

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Naveen का वर्ग मार्जार है तथा Akansha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Akansha का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Naveen कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Akansha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Naveen तथा Akansha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।